आधुनिक हिंदी काव्य में गाँधी विचारधारा का प्रभाव

एक अनुशीलन

गाँधी विचार धारा ने ज्ञान की समस्त शाखाओं को इतना अधिक प्रभावित किया है, कि साहित्य शाखा का एक कालखंड गाँधी युग के नाम से प्रसिद्ध है। जनकल्याण के लिए रचित हिन्दी की गाँधीवादी कविता, शक्ति, शील और सौन्दर्य की, त्रिवेणी से समांचित है। समन्वयवादी दृष्टिकोन से बापू ने मानव जाति को स्नेह और बलिदान के जिस पथ पर चलाया उसी पथ पर गाँधीवादी कविता का महारथ चल पड़ा।

हिन्दी के कवियों ने गाँधीवाद के हर पहलु को कवियों ने स्थापित किया है। इसमें. नैतिक चेतना के अन्तर्गत, व्रत, उपवास, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, त्याग, प्रेम, सत्य, अहिंसा, असहयोग, भावना, परोपकार आदि गाँधीवादी तत्वों का हिंदी कविता में प्रभाव है। आधुनिक हिंदी काव्य में गाँधीवाद का प्रभाव इस ग्रथ में उपरोक्त सभी तत्वों का सोदाहरण स्पष्टीकरण किया है। जो हिंदी के विकासक्रम से परिचित होने के लिए जरूरी है।

• हिंदी साहित्य में गाँधीवाद • आधुनिक हिंदी काव्य में गाँधीवाद का प्रभाव • आधुनिक हिंदी महाकाव्य में गाँधीवाद का प्रभाव • हिंदी काव्य में गाँधीवादः मूल्यांकन • उपसंहार.

डॉ. बलीराम राख - एम.ए. (हिंदी) पी-एचडी । वर्तमान में पद्मभूषण वसंतदादा पाटील, कॉलेज, पाटोदा, शोध-निर्देशक एवं विभागाध्यक्ष, स्नातक-स्नातकोत्तर विभाग, अध्यक्ष हिंदी भाषा एवं साहित्य अनुसंधान केंद्र।

Chandralok Prakashan
132, Shriram Kripa, Mayur Park, Basant Vihar, Kanpur-21
Tel.: 0512-2634444, 2634242 Fax: 0512-2634444
M.: 09415125867, 09506294444, 09415200584
E-mail: chandralok.prakashan@gmail.com
info@chandralokprakashan.com
Website: www.chandralokprakashan.com

₹ 350/-
ISBN : 978-93-84247-87-4

आधुनिक हिंदी काव्य में गाँधी विचारधारा का प्रभाव
एक अनुशीलन
डॉ. बलीराम राख

आधुनिक हिंदी काव्य में गाँधी विचारधारा का प्रभाव

एक अनुशीलन

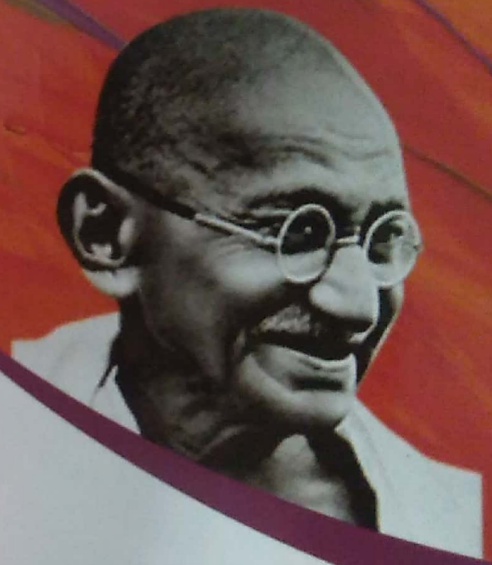

डॉ. बलीराम राख

Scanned with CamScanner